

दिवस 2 | अंक 2

स्मृति

eightfold.ai

PRESENTS

BLUFFMASTER

NAB 6102

30 OCT, 11AM - 3:30PM





संपादकीय

मानव जीवन एक कैनवास है, और भावनाएं उस पर बिखरे हुए रंग। रंग, यह अपने आप में एक कहानी है। मानव जीवन की सुनसान सी जिंदगी को एक नया रूप देने का एक अनोखा नजरिया है। कहते हैं रंगों की महत्वता और वातावरण का सुंदरता एक अटूट रिश्ता है। जैसे रेगिस्तान की रेत में लहराता हुआ नीला रंग और काली रात में चमकते जुगनू का चमकीला रंग। चढती हुई सुबह और ढलते हुए सूरज का केसरिया रंग, वृक्षों से ढके वनों का हरित वर्ण। और यदि ध्यान दिया जाए तो रंगों की इस विशाल दुनिया का एक छोटा रूप हमें अपने चारों ओर देखने मिलता है।

पिलानी की इस व्यस्त सी जिंदगी मैं अपनी कलम से नये रंग डालते हुए आज हर दिशा में इन्द्रदानुष से आस्मां को सजाता ओएसिस। लग रहा जैसे ईश्वर ने अपनी बनाई इस सृष्टी को किसी रंगीले तालाब में डुबोकर अभी-अभी निकाला है। प्रत्येक इवेंट, हर एक क्लब मनो सभी को अपने ढंग में ढालने को तैयार है। कहीं जुल्फें में बालों में रंग तो कहीं विभिन्न रंगीले कपड़ों को पहने खुदको फैशन के रंग में रंगते लोग।

कहीं जीवन के अनदेखे-अनसुने किस्सों को बताते गैलेरिया के मनलुभावन चित्र तो कभी रोटुंडा की ज़मीन पर अपने थिरकते कदमों से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ते स्ट्रीट डांस के नर्तक, और कभी इर्शाद के उस्तादों की उम्दा शायरियों के रंगीले अंदाज़। हर तरफ़ एक अलग दुनिया एक अलग माहौल एक नया रंग।

कुल मिलाकर कहा जाए तो निष्कर्ष यही है कि रंग कैसे भी हों खुशियाँ ही लाते हैं। भावनाएं कैसी भी हों व्यक्त हो ही जाती हैं। कुछ ऐसा ही रंगीला आगाज़ था ओएसिस 2023 का।

अगर इस भावना को दो पंक्तियों बताया जा सके तो शायद कुछ यूँ होगा।

“रंगों का प्याला है हमारी प्यास बाकी है।

ये तो पहला घूंट है अभी तो सारी शाम बाकी है।”

अनुक्रमणिका

- फेश-पी
- इर्शाद
- निर्माण-स्टाल
- शॉप फॉर ए स्माइल
- खेल और खिलौना
- रंगारंग बाल
- हाई ऑन हीलियम
- PARC स्टॉल
- सॉलर कुक्कड फूड
- हँसी थिथोले
- हमारे प्रायोजक





फेश-पी

इस वर्ष ओएसिस में अन्य प्रकार के कार्यक्रमों व स्टॉल्स का आयोजन किया गया है। इनमें से एक बहुत रोचक कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ़ थिएटर द्वारा आयोजित किया गया था जिसका नाम FashP था। यह मूलतः एक फैशन शो प्रतियोगिता है। इस फैशन शो का आयोजन रोटुंडा पर किया गया था जिसमें प्रतियोगियों के लिए एक मंच को बनाया गया था साथ ही इसमें रौशनी और ध्वनि की व्यवस्था भी की गयी थी। बड़ी तादात में दर्शक इस अनूठे शो को देखने आये थे। बाहर के कॉलेज के प्रतियोगियों ने काफी उत्सुकता के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया और दर्शकों में भी उसी स्तर का उत्साह देखने को मिला और दर्शक सभी प्रतियोगियों के लिए चीयर कर रहे थे। SRCC , HINDU COLLEGE और IIAD जैसे विभिन्न कॉलेजों ने इसमें भाग लिया और अद्भुत प्रकार के डिज़ाइनों को प्रदर्शित किया। जज के रूप में स्विट्सविला की प्रतियोगी प्राक्षि गोयल थी। थीम की बात की जाये तो वह fantasy और horror पर आधारित थी और सभी के फैशन डिज़ाइन में थीम प्रतिबिम्बित हुई थी। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक हिन्दू कॉलेज द्वारा था जिसमें प्रतियोगियों ने जोड़े बनाकर विषम कपड़ों का प्रदर्शन किया। शो के अंत में उनके स्योंसर जो की फिलिप हेयर केयर ब्रांड था, उसने अपने ब्रांड के बारे में भी बताया। कुल मिलाकर यह एक बहुत ही अनोखा कार्यक्रम था और हर कोई इसमें उत्साहपूर्वक शामिल हुआ।

इर्शाद

आज शाम FD-2 QT में अलग ही रौनक जमी जब चाँद से 4 सितारे मुशायरे के लिए उतरे। सबसे पहले श्रीमान अब्बास क्रमर ने मंच की शोभा बढ़ाई और दर्शकों को अपनी शायरी से रुआँसा कर गये। उन्होंने ज़िंदगी और प्यार पर सवाल उठाये और दर्शकों के दिल से वाह लूट कर चले गये। अंत में ग़ज़ल पढ़ कर भी दर्शकों को मोहित कर गये। उनके बाद मंच की कमान श्रीमान यासिर इनाम खान ने संभाली। बिट्स पिलानी का हार्दिक धन्यवाद करके उन्होंने शायरी का आगाज़ किया, कुछ शायरियाँ दिल-टूटे आशिकों के लिए थी और कुछ ज़िंदगी की सचाई बतलाती थी, दर्शकों की संख्या चाहे कम थी पर तालियों की कमी महसूस नहीं हुई। फिर आये श्रीमान प्रदीप तरकश जिन्होंने तन्हाई पर कुछ शायरियाँ सुनाई और सबके दिलों में 'आह' जगा दी। समा जैसे अंत की ओर आया तो श्रीमान वसीम नादिर ने मंच सम्भाला और कॉलेज के मुशायरों की तारीफ़ करते हुए कहा कि कॉलेज में आकर उन्हें भी अपनी उम्र का आभास नहीं रहता। फिर उन्होंने प्यार पर कुछ तंज कसे और सबका दिल हल्का कर दिया। कुछ नज़्में प्यार पर पढ़ें और कुछ दिल तोड़ने वाले शेर पढ़ें। दर्शकों ने भी वाह वाह की बारिश सी कर डाली और समा बांध दिया। तालियों की गड़गड़ाहट से मुशायरे का अंत हुआ और ध्यान से देखने पर पाया गया कि दर्शकों के मुख पर एक भीनी सी मुस्कान थी जैसी की अत्यंत आनंद के बाद आती है।





निर्माण-स्टाल

ओएसिस 2023 में निर्माण ने तीन स्टॉल लगाए हैं। पहला “मोमो माफ़िया”, जो कि एक मोमो खाने की प्रतियोगिता है। यह प्रतियोगिता हर साल आयोजित कराई जाती है, जिसमें कुछ दोस्त टीम बनाकर भाग लेते हैं। हर टीम को एक मिनट दिया जाता है। इसमें उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा मोमो खाने की कोशिश करनी होती है, और जीतने वाली टीम को इनाम दिए जाएंगे। दूसरे स्टॉल में कैनवस और दीयों पर कलाकृति करने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसमें भाग लेना भले ही मुफ़्त है, परंतु जीतने पर इनाम दिये जाते हैं। इसके साथ ही कुछ मज़ेदार खेल भी करवाया गया है और सभी को खेल खेलने में काफ़ी मज़ा आया। इन दोनों के इलावा एक तीसरा स्टॉल “प्रेम सहित” लगाया गया है और इस स्टॉल पर पिलानी के कुछ ज़रूरत मंद परंतु कला से भरपूर महिलाओं द्वारा बनाए गए सुंदर और आकर्षणीय सामान का विक्रय हो रहा है। इसमें स्कनचीज़, टोट बैग, और कुशन्स के साथ ही पौधें भी बेचे जा रहे हैं। इस स्टॉल पर हुई मुनाफ़े से ज़रूरत मंद लोगों की मदद कराई जायेगी। फेस्ट के पहले दिन पर छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक इन स्टॉल्स पर बेहद मज़ा आया। निर्माण ने ओएसिस 2023 में प्रशंसनीय काम किया है।

शॉप फॉर ए स्माइल

Oasis 23 में NSS ने वी.के. लॉनस में स्टाल “शॉप फॉर ए स्माइल” लगाया। इसमें सभी पोस्टर और स्टॉल्स के सजावट के सामान एन एस एस क्लब के छात्रों ने बनाए थे। उन्होंने 12 एनजीओ से विभिन्न प्रकार के सामान लिए थे जैसे- बैग, पर्स, सजावटी सामान, मोमबत्ती, बालियां, कड़ा, सुंदर डायरी, खिलौने, पेंसिल, ग्रीटिंग कार्ड आदि। सभी चीजें एनजीओ से खरीदी गईं और छात्रों को उसी मूल्य पर बेची गईं। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा था, जिसमें छात्रों ने अपने कौशल और नैतिक मूल्यों का समर्थन करते हुए सामाजिक संदेश दिया। NSS “गैम्बल ऑफ़ डार्कनेस” नाम का एक खेल आयोजित करते हैं, इसमें दो जाने साथ में टीम बनाकर खेलते हैं। एक व्यक्ति अपनी आँखों पर पट्टी लगता है और दूसरा व्यक्ति उसकी आँखें बनके उसे विभिन्न वस्तुओं को उठाने में मदद करवाता है, हर वस्तु को कुछ अंक आवंटित किए जाते हैं और जिस टीम के अधिक अंक होते हैं वह टीम जीत जाती है, जीतने वाली टीम को 100 रुपए का कूपन मिलता है।





खेल और खिलौना

कॉलेज कैम्पस की डरावनी रात के दौरान एक भूतिया संयोग था। सितारों से लपेटी इस रात में एक अनूठी घटना घटी जिसने कई विद्यार्थियों को अचंभा में डाल दिया। यह उस डरावनी रात की बात है, जब कॉलेज कैम्पस के सबसे मजेदार फ़ेस्ट ओएसिस के दौरान अद्भुत घटनाएँ घटीं। हमारे कॉलेज कैम्पस में रंग और खुशियों की भरमार थी। सभी छात्र-छात्राएँ उत्सव के आगामी दिनों की तैयारी में व्यस्त थे। इस बार का उत्सव विशेष था क्योंकि हमारे कॉलेज में पहली बार हॉरर थीम पर्व आयोजित हो रहा था। रात का समय आया और सभी छात्र बड़ी उत्सुकता के साथ अपने डरावने और अद्वितीय कॉस्ट्यूम में तैयार हो गए। हॉस्टल के बाहर और हर कोने से चहल पहल के आवाजें सुनाई देने लगीं।

सब एक बड़े हॉल में एकत्रित होकर एक-दूसरे की कहानियों को सुनाया। उनमें से एक कहानी कॉलेज कैम्पस के पुराने हिस्सों में डरावने हवेलियों की थी जहाँ रात को कभी-कभी भूतिया आवाजें आती हैं। हवेलियों के भूत पूरे कैम्पस में घूमते हैं, विद्यार्थियों की रात की शांति को बिगाड़ देते हैं। सभी मुस्कराएँ और कहे, "ये सब केवल कहानियाँ हैं, वास्तव में कुछ नहीं होता। इसी बीच में सब कैम्पस घूमने निकल गये। घूमते घूमते सब अचानक एक डरावनी हवेली के पास पहुँचे और उस हवेली के दरवाजे को खोलने का निर्णय लिया। दरवाजे के पीछे कुछ अद्वितीय आवाजें सुनायी दे रही थीं। कुछ लोगों की डरकर आँखें बंद हो गईं। परन्तु कुछ साहसी विद्यार्थी थे जो दर के बावजूद आगे बढ़ रहे थे। जैसे ही हमने दरवाजे को खोला, हमारे सामने एक बड़ी हवेली का मंजर था। वहाँ के माहौल में कुछ भूतिया था, लेकिन हमने उन्हें इंसानी बनवाती ही समझा था। फिर छात्र ने उनसे बात की और पता चला कि ये थे हमारे ही सहपाठी जो हवेली की भूतियाओं का किरदार निभा रहे थे।

अचानक, एक अद्वितीय ध्वनि ने सबकी धड़कन तेज कर दी थी। यह आवाज़ कमरे से आ रही थी और सभी उत्सुकता से उस कमरे की ओर देखने लगे। विद्यार्थीयों ने तय किया कि आवाज़ जांचने के लिए उस कमरे में जाएंगे। विद्यार्थी कमरे की ओर बढ़े, और दरवाजे को धीरे से खोला। उन्होंने देखा कि कमरे में विद्यालय के पुराने इतिहास की तस्वीरें बनी हुई थी और पूरे कमरे में मकड़ी का जाल से भरा हुआ था। उन्होंने कमरे में एक तहखाना दिखा। छात्र ने तहखाने का दरवाज़ा खोला तो देखा की सीढ़ियाँ थी और यह सीढ़ियाँ अंदर एक कमरे में जा रही थी। वह सब उस सीढ़ियों से नीचे उतरकर एक तहखाने में गये और देखा की एक सामने कुर्सी थी, जिसमें कुछ रखा हुआ था। थोड़ा पास जाने पर ध्यान से देखने से पता चला कि वह एक गुड़िया थी। वह गुड़िया पूरी लाल रंग से सनी हुई थी और धूल से सनी हुई थी। छात्र ने धूल हटायी और देखा कि उसपर कुछ लिखा था। तहखाने में छोटी छेद से आ रही चाँद की रोशनी में ध्यान से देखने पर दिखा की उसपर ग्रीमोर गैलोर लिखा हुआ है। अचानक तहखाने का दरवाज़ा बंद हो जाता है और पूरे हवेली में सनाटा छा गया।



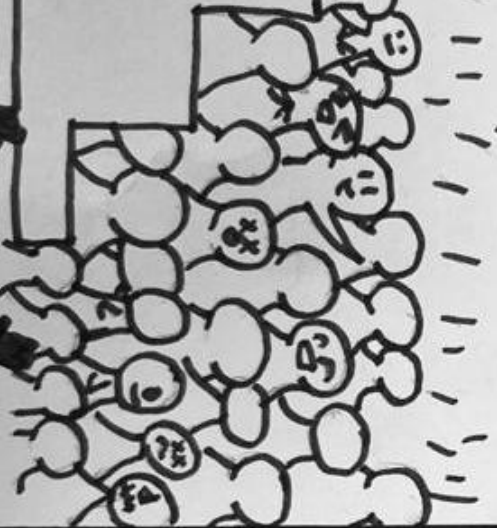
CISSCO

DISCOX
CISCO ✓

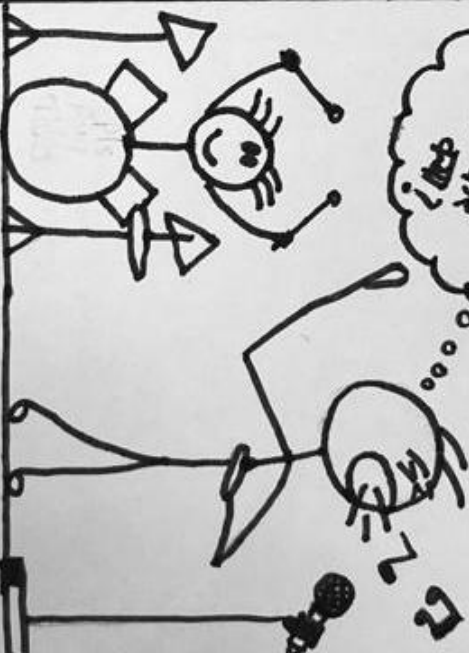
कुराहिया
कर भाई !!

ये दीदी
है पापि !!

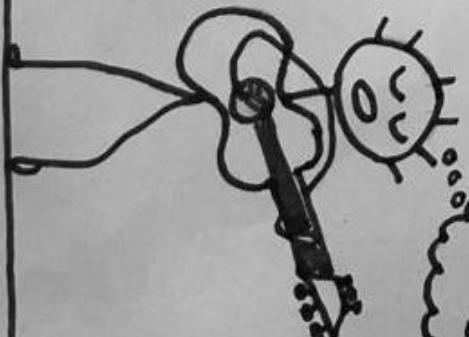
ये आये
होते कहे कहे
पापे, हरे



आपें कैसे
वापस करने
का?



इसके दो
आपें आये
समयें दोन
हैं !!



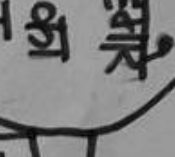
इस से
अच्छा तो
Sound check
ही था।



अरे ये
भाई FD-2
नहीं है !!



ये जाने ही हमारे
कैम अप का
कारण न
कन नाम।



EXIT





रंगारंग बाल

रेडियोएक्टिव ने इस साल प्रोम-नाईट के अलावा एक और इवेंट - “ज़ुल्फ़ें” का आयोजन करवाया था। यह इवेंट रोटुंडा पर हुआ था, जहां एक स्टाल में लोगो के बालों को विभिन्न रंगों से रंगा जा रहा था। यह रंग टेम्पररी है और ये पहली बार धुलने पे ही उतर जाएगा। ये इवेंट 2 बजे शुरू हुआ था और इस स्टाल पर काफ़ी भीड़ आई थी पर रंगों की कमी होने के कारण इवेंट कुछ ही देर चल पाया। लोग अपने बालों को इस नये अवतार में देख कर काफ़ी उत्साहित थे। ओएसिस हिन्दी प्रेस ने कुछ लोगो से बात की जिन्होंने अपने बालों पर रंगों का प्रयोग कराया था। कुछ लोग तो इस से काफ़ी संतुष्ट थे परंतु काफ़ी लोगो के चहरो पर असंतुष्टि का भाव स्पष्ट था। लोगो का कहना था की इस से उनके बाल खराब हो गये है। “ज़ुल्फ़ें” का स्टाल 29th अक्टूबर को भी दोपहर 1 बजे से शुरू हो जाएगा, पहला दिन भले ही कैसा भी गया हो, भीड़ में अभी भी अपने बालों को रंगवाने का उत्साह है। आशा है लोग स्वयं को जिस अवतार में देखना चाहते है, उन्हें वैसा ही परिणाम प्राप्त हो।

हाई ऑन हीलियम

Oasis के पहले दिन VK लॉन में केमिस्ट्री एसोसिएशन ने ‘हाई ऑन हीलियम’ नामक एक अति मनोरंजक इवेंट का आयोजन किया। इसमें प्रतियोगियों को हीलियम की सांस लेने के बाद टंग द्विसटर, मिमिक्री, कैरीओके या ओपन माइक प्रस्तुत करना था। सभी बिट्सियन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए इस मौके का पूर्ण इस्तेमाल किया। किसी ने बॉलीवुड के मशहूर डाईलौग सुनाए तो किसी ने बच्चों के कार्टून के गाने गाए। ‘हाई ऑन हीलियम’ इवेंट का आनंद न केवल प्रतियोगियों ने, बल्कि वहाँ मौजूद दर्शकों ने भी उठाया। कुल मिलाकर शाम आनंद से भरपूर थी और आयोजक समिति इस इवेंट को यादगार बनाने के अपने कार्य में सफल रही।





PARC स्टॉल

PARC ने ओएसिस में दो स्टॉल्स का आयोजन करवाया है जो कि हैं “Period Pain Simulator” और “Pottery” हैं। यह पहली बार था जब PARC ने ओएसिस में कोई भी इवेंट का आयोजन करवाया। इसके बावजूद PARC के सदस्यों में इवेंट आयोजन के अनुभव की कमी नहीं लगी। आखिर बिट्स आपको अनेक क्लबों, डिपार्टमेंटों, इवेंट्स आदि के द्वारा इवेंट प्रबंधन में कौशल तो बना देता है। दोनों स्टॉल्स के संचालन में कुछ मुख्य दिक्कत तो नहीं आयी परन्तु “Period Pain Simulator” थोड़ी देर से शुरू हुआ। स्टॉल्स ओएसिस के सारे दिन शाम 3 से 8 तक चालू रहेंगे। “Pottery” इवेंट में लोगो ने अपनी मन की कल्पना को ढील देकर उससे एक मिट्टी के ढांचे पर ढलने की कोशिश करी। जिसकी कलात्मक क्षमता अच्छी थी वह यह करने में सफल हुआ और अपने घड़े को अपने साथ ले जा पाया। दूसरे बस एक टूटे से आकार को वही छोड़कर आ गए। पर “Pottery” इवेंट बस आपकी कलात्मकता को ही नहीं छु रहा था पर आपके मन में भी एक विचार उमड़ा रहा था कि हमने मिट्टी के बर्तनों से दूर होकर प्लास्टिक की ओर रुख मोड़ा है। पर यह तो हमारे पर्यावरण के साथ साथ हमारी स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। धीरे धीरे अलग अलग लोगो और माध्यमों के ऐसे ही कुछ प्रयासों के द्वारा हम लोगो में पर्यावरण प्रदूषण के विषय के बारे में जागरूकता फैलाकर कुछ बदलाव ला सकते हैं। दूसरा इवेंट था “Period Pain Simulator” जिसके माध्यम से लोगो के बीच एक निषेध विशेष पर ध्यान गया और उसपर चर्चा उमड़ी। दोनों इवेंट काफ़ी सफल रहें और पूरी दिन भीड़ उमड़ती रही।

सॉलर कुक्कड फ़ूड

Oasis 2023 में अनेक प्रकार के व्यंजन हमें चखने को मिले परन्तु सबसे अनोखे और दिलचस्प व्यंजन सोलर कुक्कड फ़ूड सस्टॉल पर दिखाई दिए। जैसे कि नाम से ही पता चलता है इसमें सूरज की किरणों का उपयोग करके स्वादिष्ट व्यंजन बनाये गए। यह स्टॉल की एक और खास बात यह थी की इसका आयोजन प्रोफेसर डॉ मनोज सोनी द्वारा किया गया था। बड़ी तादात में लोग इन व्यंजनों का ज़ायका लेने आये थे, जिसमें केक आदि शामिल थे। व्यंजन में केक और पिज़्ज़ा थे। कुल मिलकर इस इवेंट में कई लोगो ने दिलचस्पी दिखाई और आखिर में यह सभी के लिए एक मज़ेदार अनुभव रहा।





हँसी थिथोले

28 तारीख को कॉमहब ने जे.सी.चौधारी ऑडिटोरियम में अपना कार्यक्रम दिया। इस दौरान ऑडिटोरियम पूरा भरा हुआ था और कार्यक्रम शाम 5 से 7 बजे तक चला। कुल 8 लोगों ने अपने-अपने चुटकुले दर्शकों को सुनाए, छह कलाकार 2nd इयर के थे और दो कलाकार 3rd इयर के थे। कलाकारों के नाम; प्रशांत, रिची, दिव्यम्, अर्नव, अर्नव, गोविन्द और तेजसा। प्रस्तुतियाँ विभिन्न ऐसे विषयों पर थी जो रोज़-मर्रा के जीवन से ताल्लुक रखते हैं। चुटकुले ऐसे रखे गए थे की दर्शक उन्हें महसूस कर पाए। कई ऐसी चीज़ों को आधार बनाया गया जैसे कॉलेज, कानपुर, पहाड़ी सड़के, कॉलेज राजनीति इत्यादि। इनमें कई ऐसे पल रहे थे जब दर्शकों ने खूब ठहाके मारे। ज्यादातर कलाकार पहली बार मंच पर आये थे और बड़ी मेहनत से तैयारी कर रहे थे। इसके बावजूद भी उन्होंने एक प्रशंसनीय प्रस्तुति दी। एक और दिलचस्प चीज़ भी देखी गयी थी की वे मंच पर कागज़ के पर्चे हाथ पर चिपका रखे थे। शो के दौरान क्लब के वरिष्ठ सदस्य साहिल शाह और यश पंडित ने भी अपनी भूमिका निभाई। पूरे क्लब ने अपना पूरा प्रयास किया और आने वाले हर शो को और बेहतर बनाने की भावना से शो समाप्त किया।

हमारे प्रायोजक

इस बार OASIS के प्रायोजकों में से एक प्रायोजक CISCO है। CISCO एक अंतरराष्ट्रीय I.T. समूह है जो विभिन्न उद्योगों में छोटे और बड़े व्यवसायों के लिए उत्पादों और नेटवर्किंग समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। CISCO ने इस फ़ेस्ट में डिस्को का आयोजन कराया है, जिससे फ़ेस्ट के माहौल में चार चाँद लग गए हैं। यह कार्यक्रम बड़ा ही मनोरंजक था। बहुत सारे लोगों ने इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। इसमें भाग लेने में कोई बंदिश नहीं है, कोई भी कभी भी शामिल हो सकता है क्योंकि यह सब के लिए मुफ़्त इवेंट था। यह इवेंट एम लॉन्स में कराया गया है।

OASIS के एक और प्रायोजक eightfold.ai हैं। जिनके माध्यम से “blindfold.ai” इवेंट का आयोजन हुआ है। इस इवेंट में प्रतिभागियों को रेज़्यूमे बनाना सिखाया गया है। रेज़्यूमे में प्रतिभागी को अपना संक्षेप विवरण देना होता है जिससे उनके अच्छे तर्क प्रमुख दिखते हैं। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया था। पुरस्कारों में बस्ते, बोतलें तथा इस ही प्रकार की अन्य चीज़ें शामिल थीं। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी था। इससे आगे जाकर जब वह नौकरी के लिए आवेदन करेंगे तो उन्हें अपने व्यावसायी जीवन में काफ़ी मदद मिलेगी।





KODAK PORTRA 400

53

400

KO

53

400



KODAK PORTRA 400

53

400



KO

53

400



eightfold.ai boAt acer Cisco HORUS MUSIC BoostGrad

plom
Body
Levin

IDFC FIRST
Bank
ALWAYS YOU FIRST

M
MAA KARNI INFOTECH

MPOWER
HIND MATTERS
ADITYA BIRLA EDUCATION TRUST

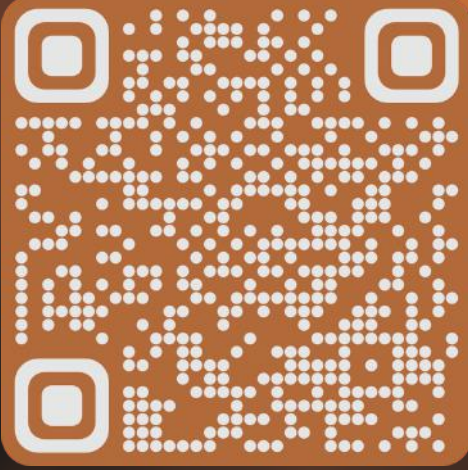
3
SISTERS

EaseMyTrip

Blank voice
BY THE WAY OF MUSIC

ST

THE
INDIAN
MUSIC
DIARIES



BLUFFMASTER

"BELIEVE IN YOUR BLUFF AND
THE WORLD WILL TOO."

SCAN QR TO REGISTER

लाम्बा, हार्दिक

ऋत्विक, सर्वेश, आर्ची, निशिका, भव्य, देव

अनुज, विदित, सर्वाक्ष, ध्रुव, अवि, वैष्णवी, अमृत, मल्लिका, पुलकित, वल

हर्ष, मोक्ष, कृष, अभिन्न आशीष, विशेष, प्रिशा, कविश, कौस्तुभ,

नमः, प्रीतवर्धन, एकांश, अनुष्का, दिव्यम, दिवाकर,

राहुल, ऋषव, आदित्या

द्विती, सत्यम, अर्नव, आदित्य, राघव, वंशिका, हविष्मा, अभय, जयंत, प्राची,
प्रकृति, श्रीनिधि

eightfold.ai
presents

GRIMOIRE GALORE
5th EDITION | 27th-31st OCTOBER
in association with
acer & boAt
powered by
Cisco